प्रेस नोट

तीसरे

वार्षिक रोज़गार–बेरोज़गारी सर्वेक्षण की रिपोर्ट

(2012–13)

सत्यमेव जयते

श्रम ब्यूरो

श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय

भारत सरकार

चण्डीगढ़

प्रेस नोट

तीसरे वार्षिक रोजगार–बेरोज़गारी सर्वेक्षण 2012–13 की रिपोर्ट

श्रम ब्यूरो जोकि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का एक सम्बद्ध कार्यालय है, ने देश में आयोजित किए गए तीसरे वार्षिक रोजगार–बेरोज़गारी सर्वेक्षण 2012–13 के परिणाम जारी किए हैं । यह सर्वेक्षण समस्त राज्यों/संघशासित प्रदेशों में सभी जिलों को शामिल करते हुए आयोजित किया गया है । सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्ष निम्नवत् हैं :

- 1,33,354 परिवारों के कुल प्रतिदर्श को इस सर्वेक्षण में शामिल किया गया जिसमें से 82,624 परिवार ग्रामीण क्षेत्र तथा 50,730 परिवार शहरी क्षेत्र के हैं ।

- सर्वेक्षण की तारीख से अंतिम 12 महीनों की एक वर्तमान संदर्भ अवधि का प्रयोग अनुमानों का निर्धारण करने के लिए किया गया है जो प्रायिक स्तर अवधारणा पर आधारित हैं । वर्तमान साप्ताहिक तथा वर्तमान दैनिक स्तर अवधारणा के लिए सर्वेक्षण की तारीख से पूर्ववर्ती सात दिनों के सप्ताह को संदर्भ अवधि के रूप में लिया गया है ।

- श्रमबल से संबंधी सभी तालिकाओं का निर्धारण राज्यवार/लिंगवार/क्षेत्रवार/सामाजिक समूहवार किया गया है ।

- श्रमबल अनुमानों का निर्धारण 15 वर्ष तथा इससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए किया गया है ।

- कुछ विनिर्दिष्ट आयु के श्रमबल अनुमानों का भी निर्धारण देश में युवा रोज़गार–बेरोज़गारी परिदृश्य को दर्शाने के लिए किया गया है ।

- सर्वेक्षण के परिणामों के आधार पर 51.2 प्रतिशत अथवा अधिकांश परिवारों की आय का मुख्य स्रोत कृषि तथा गैर–कृषि कार्यकलापों के अधीन स्व–रोज़गार से सम्बद्ध पाया गया है ।

- ग्रामीण क्षेत्रों में 12.9 प्रतिशत परिवारों की आय का मुख्य स्रोत नियमित मजदूरी/वेतन उपार्जन होने का अनुमान है ।

- शहरी क्षेत्रों में 42.1 प्रतिशत परिवारों की आय का मुख्य स्रोत नियमित मजदूरी/वेतन उपार्जन होने का अनुमान है । इसके पश्चात 35.6 प्रतिशत परिवार स्व–रोज़गार श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं ।

- अखिल भारतीय स्तर पर यूपीएस अवधारणा के अधीन श्रमबल सहभागिता दर (एलएफपीआर) का 50.9 प्रतिशत होने का अनुमान है ।

- यूपीएस अवधारणा के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में एलएफपीआर 52.8 प्रतिशत होने का अनुमान है जबकि इसकी तुलना में शहरी क्षेत्र में यह 46.1 प्रतिशत है ।

- महिला एलएफपीआर प्रायिक प्रधान स्तर अवधारणा के अन्तर्गत पुरूष एलएफपीआर की तुलना में उल्लेखनीय रूप से कम है । अखिल भारतीय स्तर पर महिला एलएफपीआर पुरूष श्रेणी के 76.6 प्रतिशत की तुलना में 22.6 प्रतिशत होने का अनुमान है ।

- यूपीएस अवधारणा के अन्तर्गत अखिल भारतीय स्तर पर कर्मचारी जनसंख्या दर (डब्ल्यूपीआर) 48.5 प्रतिशत होने का अनुमान है ।

- यूपीएस अवधारणा के अन्तर्गत शहरी क्षेत्र में 43.5 प्रतिशत की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र का डब्ल्यूपीआर 50.5 प्रतिशत होने का अनुमान है ।

- महिला डब्ल्यूपीआर यूपीएस अवधारणा के अन्तर्गत अखिल भारतीय स्तर पर 73.5 प्रतिशत के पुरूष डब्ल्यूपीआर की तुलना में 20.9 प्रतिशत होने का अनुमान है ।

- बेरोज़गारी दर अखिल भारतीय स्तर पर यूपीएस अवधारणा के अन्तर्गत 4.7 प्रतिशत होने का अनुमान है ।

- ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोज़गारी दर यूपीएस अवधारणा के अन्तर्गत 4.4 प्रतिशत है जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 5.7 प्रतिशत है ।

- अपेक्षाकृत निम्न एलएफपीआर के बावजूद बेरोज़गारी दर महिलाओं में पुरूषों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से ज्यादा है । अखिल भारतीय स्तर पर महिला बेरोज़गारी दर यूपीएस अवधारणा के अन्तर्गत 7.2 प्रतिशत होने का अनुमान है जबकि पुरूषों के लिए यह 4.0 प्रतिशत है ।

- शहरी क्षेत्रों में महिला बेरोज़गारी दर यूपीएस अवधारणा के अन्तर्गत अखिल भारतीय स्तर पर 12.8 प्रतिशत होने का अनुमान है ।

- सभी चारों अवधारणाओं के आधार पर नियोजित व्यक्तियों की अधिकांश संख्या स्व–रोज़गार से सम्बद्ध पाई गई है ।

- अखिल भारतीय स्तर पर प्रायिक प्रधान स्तर अवधारणा के अन्तर्गत 48.2 प्रतिशत व्यक्तियों का स्व–रोज़गार से सम्बद्ध होने का अनुमान है इसके पश्चात 17.4 प्रतिशत व्यक्ति मजदूरी/वेतन उपार्जकों के अन्तर्गत आते हैं तथा शेष 34.4 प्रतिशत व्यक्ति संविदागत कामगार एवं अस्थाई श्रमिक श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं ।

- 15–29 वर्ष के आयु समूह के लिए प्रायिक प्रधान स्तर अवधारणा के अन्तर्गत श्रमबल सहभागिता दर तथा बेरोज़गारी दर क्रमश: 39.5 प्रतिशत तथा 13.3 प्रतिशत होने का अनुमान है ।

- तीसरे वार्षिक रोज़गार–बेरोज़गारी सर्वेक्षण की रिपोर्ट को तीन खण्डों में प्रकाशित किया जा रहा है ।

- रिपोर्ट के पहले दो खण्ड श्रम ब्यूरो की वैबसाइट (www.labourbureau.gov.in) पर उपलब्ध है । तीसरा खण्ड जोकि देश में युवा रोज़गार–बेरोज़गारी परिदृश्य से संबंधित है, का प्रकाशन शीघ्र ही किया जाएगा ।

PRESS NOTE

THIRD

ANNUAL EMPLOYMENT & UNEMPLOYMENT
SURVEY REPORT

(2012-13)

सत्यमेव जयते

LABOUR BUREAU
MINISTRY OF LABOUR & EMPLOYMENT
GOVERNMENT OF INDIA
CHANDIGARH

PRESS NOTE

Report on Third Annual Employment & Unemployment Survey 2012-13

Labour Bureau, an attached office of the Ministry of Labour & Employment has released the results of the Third Annual Employment & Unemployment Survey 2012-13 conducted in the country. The survey has been conducted in all the States/UTs by covering all the districts. The main findings of the survey are as follows:

- A total sample of 1,33,354 households has been covered with a break up of 82,624 households in the rural sector and 50,730 households in the urban sector.
- A moving reference period of last twelve months from the date of survey is used to derive the estimates based on usual status approach. For current weekly and current daily status approach, the week comprising of seven days preceding the date of the survey is taken as the reference period.
- All the labour force related tables are generated state-wise/gender-wise/sector-wise/social-group wise.
- The labour force estimates are derived for the persons aged 15 years and above.
- Some age specific labour force estimates are also generated in order to capture the youth employment-unemployment scenario in the country.
- Based on the survey results, 51.2 per cent or majority of the households are found to be having self employment as the major source of income under agricultural and non-agricultural activities.
- In the rural areas, 12.9 per cent households are estimated to be having regular/wage salary earning as major source of income.

- In the urban areas, 42.1 per cent households are estimated to be having regular wage/salary earnings as the major source of income followed by 35.6 per cent households under self employment category.
- The Labour Force Participation Rate (LFPR) is estimated to be 50.9 per cent under the UPS approach at All India level.
- In the rural sector the LFPR is estimated to be 52.8 per cent as compared to 46.1 per cent in the urban sector under the UPS approach.
- Female LFPR is significantly lower as compared to male LFPR under the usual principal status approach. At All India level, female LFPR is estimated to be 22.6 per cent as compared to 76.6 per cent in male category.
- The Worker Population Ratio (WPR) is estimated to be 48.5 per cent at All India level under the UPS approach.
- In rural areas, the WPR is estimated to be 50.5 per cent under the UPS approach as compared to 43.5 in the urban areas.
- The female WPR is estimated to be 20.9 per cent at All India level under the UPS approach as compared to the male WPR of 73.5 per cent.
- The unemployment rate is estimated to be 4.7 per cent at All India level under the UPS approach.
- In rural areas, unemployment rate is 4.4 per cent whereas in urban areas, the same is 5.7 per cent under the UPS approach.
- Despite relatively low LFPR, the unemployment rate is significantly higher among females as compared to males. At all India level, the female unemployment rate is estimated to be 7.2 per cent whereas for males, the unemployment rate is 4.0 per cent under the UPS approach.
- In urban areas, the female unemployment rate is estimated to be 12.8 per cent at All India level under the UPS approach.
- Majority of the employed persons are found to be self employed based on all the four approaches.

- At all India level, 48.2 per cent persons are estimated to be self employed under the usual principal status approach followed by 17.4 per cent persons under wage/salary earners and rest 34.4 per cent persons under contract worker & casual labourers category.
- For age group 15-29 years Labour Force Participation Rate and Unemployment Rate under the usual principal status approach is estimated to be 39.5 per cent and 13.3 per cent respectively.
- The Report of the Third Annual Employment-Unemployment Survey is being brought out in Three Volumes.
- The first two volumes of the report are available in Labour Bureau website (www.labourbureau.gov.in). The Third Volume which deals with Youth Employment-Unemployment Scenario in the country will be released shortly.

****